

प्रेषक,

किशन नाथ,  
अपर सचिव/राज्य सम्पत्ति अधिकारी,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

वित्त अधिकारी,  
उत्तराखण्ड शासन ।

राज्य सम्पत्ति विभाग

देहरादून: दिनांक ०३ दिसम्बर, 2007

विषय उत्तराखण्ड निवास नई दिल्ली भवन के हॉल को डाइनिंग एवं मिटिंग हॉल में परिवर्तित किये जाने के कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2007-2008 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधिशासी अभियन्ता सुरंग एवं विद्युत गृह खण्ड-2, सिंचाई विभाग, देहरादून के पत्र संख्या- 50/सु0वि0गृ0ख0-2/आगणन, दिनांक-22 जनवरी 07 के माध्यम से उपलब्ध कराये गये आगणन के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड निवास नई दिल्ली भवन के हॉल को डाइनिंग एवं मिटिंग हॉल में परिवर्तित किये जाने के कार्य हेतु रुपये 26.47 लाख की लागत के आगणन के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा सम्यक परीक्षणोपरान्त सातुत रुपये 23.45 लाख (रु. तेइस लाख पैतालिस हजार मात्र) की धनराशि पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने की संस्तुति के दृष्टिगत प्रश्नगत कार्यो हेतु प्रथम किश्त के रूप में रु०-10.00 लाख मात्र की धनराशि शासनादेश संख्या-294/XXXii/07, दिनांक-16 मार्च 07 के द्वारा अवमुक्त की जा चुकी है। उक्त कार्य हेतु ही द्वितीय किश्त के रूप में रु०-10.00 लाख (रु० दस लाख मात्र) की धनराशि को शासनादेश संख्या-646/XXXii/07, दिनांक-22 अगस्त 07 के द्वारा अवमुक्त किया जा चुका है प्रश्नगत कार्यो के लिये ही अन्तिम एवं तृतीय किश्त के द्वारा अवशेष धनराशि रु०-03.45 लाख (रु० तीन लाख पैतालिस लाख)को निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- वित्त अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन उक्त स्वीकृति धनराशि का आहरण कर अधिशासी अभियन्ता, सुरंग एवं विद्युत गृह खण्ड-2, सिंचाई विभाग, देहरादून के पत्र में बैंक ड्राफ्ट/चैक बना कर संबंधित कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायेगे।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता, द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति हेतु नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता, का अनुमोदन आवश्यक होगा।

4- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। कार्य की अनुमन्यता निर्धारित मानकों के अनुसार है, यह भी कृपया सुनिश्चित किया जाय।

6- एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर, नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेंक-अप किया जाय।

- 7- कार्य करने से पूर्व सनात औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दशों/विशिष्टियों के अनुरूप ही पूर्ण कर कार्यों के समादित किया जायेगा।
- 8- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों द्वारा अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 9- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाए, एक मद की राशि दूसरे मदों पर कदापि व्यय नहीं की जाय।
- 10- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2008 तक पूर्ण उपयोग कर इसका उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। निर्माण कार्य तृतीय वर्ष 2007-2008 में पूर्ण करा लिया जायेगा एवं आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा।
- 11- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- 12- मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनादेश संख्या-2047/Xii-219(2006) दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का निर्माण कार्य/अनुसंधान कार्य कराने समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जायेगा।
- 13- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2007-2008 के के आय-व्यय की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक-4216-आवास पर पूंजीगत परिव्यय-02-शहरी आवास-आयोजनागत-800-अन्य भवन-03-राज्य सम्पत्ति विभाग द्वारा आवासीय/अनावासीय भवन निर्माण-00-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जाएगा।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1012/XXXii (5) /2007, दिनांक 26 सितम्बर 07 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

( किशन नाथ )

अपर सचिव/राज्य सम्पत्ति अधिकारी।

संख्या 1014 (1)/XXXii/2007 तददिनांक ।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, भाजरा सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- अधिशासी अभियन्ता, सुरंग एवं विद्युत गृह खण्ड-2, सिंचाई विभाग, देहरादून।
- 4- व्यवस्था अधिकारी, उत्तराखण्ड निवास, नई दिल्ली।
- 5- वित्त अनुभाग-5, राज्य सम्पत्ति अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- एन0आई0सी0/गार्ड फाईल।

आज्ञा से

( के0एस0विष्ट )

उप सचिव।